वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 248 | सोमवार 2 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शरद महोत्सव: 2022

राजस्थानी संस्कृति के रंगों में रंगे शरद महोत्सव का हुआ शानदार समापन

नववर्ष के स्वागत में भव्य आतिशबाजी, जमकर झूमे सैलानी

जयपुर. शाबाश इंडिया। माउंट आबू में तीन दिवसीय शरद महोत्सव के अंतिम दिन पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नए साल के स्वागत में पोलो ग्राउंड में लोक कलाकारों और मुंबई के यूफनी रॉक बैंड ने बॉलीवुड नाइट में एक के बाद एक शानदार प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटकों समेत स्थानीय लोगों ने भाग लिया। वही नववर्ष के स्वागत में सैलानी जमकर झूमे। लोक कलाकार शहनाज फोगा ने भवई नृत्य, चकरी नृत्य और चरी नृत्य सहित अन्य प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। दर्शकों ने गानों के साथ तालियों की ताल मिलाकर कलाकारों की हौसला अफजाई की। यूफनी रॉक बैंड द्वारा बॉलीवुड नाइट में बीट बॉक्सिंग की अदभुत प्रस्तुति दी गई। वही रॉक बैंड ग्रुप द्वारा एक के बाद एक पुराने गीतों जैसे खोया खोया चांद और रूप तेरा मस्ताना का मैशअप प्रस्तुत किया गया। पर्यटन विभाग और नगर पालिका माउन्ट आबू द्वारा नववर्ष के स्वागत में शानदार आतिशबाजी की गई। आसमान आतिशबाजी से जगमगा उठा।

बस स्टैंड पर यात्री परेशान

बस सारथी के विरोध में शहर में नहीं चलीं 40 लो फ्लोर बसें

जयपुर. शाबाश इंडिया। बस सारथी के विरोध के चलते रविवार को 40 लो फ्लोर बसों का संचालन नहीं हुआ। इस वजह से बस स्टैंड पर यात्री परेशान होते रहे। उन्हें काफी इंतजार के बाद बसें मिली। कंडक्टरों की कमी की वजह से जेसीटीएसएल प्रबंधन में बस सारथी ले रखे हैं। नए साल से बस सारथी के टारगेट में अचानक बढ़ोतरी कर दी। इस वजह से वे बसों पर नहीं पहुंचे। आनन-फानन में प्रबंधन ने स्थाई कंडक्टरों की डबल ड्यूटी लगाई। इसके बाद भी पूरी 290 बसों का संचालन नहीं हो सका। उधर, स्थाई कंडक्टरों का कहना है कि डबल ड्यूटी करने के बाद भी ओवरटाइम नहीं मिलता। इस वजह से कंडक्टर डबल ड्यूटी के दौरान बसों पर नहीं पहुंचे। बस सारथी ने सैलेरी में बढ़ोतरी सहित कई मांग कर रहे हैं।

मौसम अपडेट: प्रदेश में एक ही रात में 8 डिग्री लुढ़का पारा, इस सप्ताह कड़ाके की सर्दी के आसार

जयपुर. शाबाश इंडिया

पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होते ही उत्तरी हवाओं ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। रविवार को उत्तरी हवा के चलते प्रदेश में तापमान में 8 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। शीतलहर के चलते तापमान लुढ़ककर चूरू में तापमान 1.5 और फतेहपुर में 1.0 डिग्री पर पहुंच गया। जयपुर में 6.7 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर में यह इस सीजन की दूसरी सबसे सर्द रात रही। अब अगले 5 दिन तक शीतलहर और कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अभी शीतलहर से राहत के आसार नहीं है। 12 जिलों में अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़, झुंझुनूं, करौली, सीकर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, नागौर, गंगानगर में शीतलहर की संभावना है। इसके साथ ही यहां घना कोहरा भी छाए रहने की संभावना है।

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ ने मनाया नववर्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा नव वर्ष की पूर्व संध्या पर जयपुर स्थित एक होटल मे रात्रि विश्राम के साथ मनाया। संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि सदस्यों के मनोरंजन के लिए रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन संयोजक विशूतोष - नीति बाद के नेतृत्व मे किया गया था । अध्यक्ष अभय गंगवाल व सचिव राहूल जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने नए एवं पुराने गानों पर मनमोहक डांस कर नव वर्ष का स्वागत किया। नव वर्ष के पावन अवसर पर दिनांक 1 जनवरी 2023 को प्रातः श्री पदमपुरा दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर स्थित भगवान पदमपुरा के दर्शन किए ।

मूलनायक 1008 श्री पद्मप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। नव वर्ष एवं भगवान शांतिनाथ के ज्ञान कल्याणक दिवस पर बापू नगर स्थित पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में बड़े बाबा मूलनायक पद्मप्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा उत्साह पूर्वक की गई। प्रात : पूनमचंद सेठी के 108 रिद्धि मंत्रों के उच्चारण से श्रावको ने सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक किया। इस उपरांत चांदमल जैन ने पद्मप्रभु भगवान पर, रूपेश कासलीवाल ने आदिनाथ भगवान पर, लक्ष्मीकांत जैन ने मुनीसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की तथा अन्य प्रतिमाओं पर भी श्रावको ने शांति धारा की। बड़ी बड़ी संख्या में श्रावको ने अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस उपरांत श्रावक-श्राविकाऐ ने भक्ति-भाव से पूजा -अर्चना कर अर्ग समर्पण किए। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या में मंदिर में श्रीजी की महाआरती, णमोकार मंत्र का पाठ एवं भक्तामर का पाठ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक मौजूद थे।

जेएसजी अपटूडेट द्वारा नव वर्ष का स्वागत रंगारंग कार्यक्रम के साथ

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी अपटूडेट सदस्यों द्वारा नए साल का स्वागत पूरे उत्साह और उमंग के साथ किया गया। ग्रुप अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन और सचिव विवेक कासलीवाल ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में सभी दम्पति सदस्यों के लिए मनोरंजक कपल गेम्स का आयोजन भी किया गया। नवकार महामंत्र के जाप के साथ ग्रुप सदस्यों ने नए साल का आगाज किया और एक-दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम का सयोजन नरेंद्र-स्वाति जैन, अजय -मोना जैन, ज्ञान- रिम्पी जैन और सीमा- पंकज जैन ने किया। इस अवसर पर राजीव -अंजू जैन विकास- डिंपल, जिनेंद्र -आशिमा और निर्मल- पिंकी जैन सहित सभी ग्रुप पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

एयू जयपुर मेराथन प्री इवेंट्स की शुरुआत बेयरफुट रनिंग के वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ

नए साल की शुरूआत ताजमहल से हवा महल तक बेयरफुट रन के साथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

वर्ल्ड ट्रेड पार्क और संस्कृति युवा संस्था द्वारा एयू स्माल फाइनेंस बैंक के साथ आयोजित भारत की सबसे बड़ी मेराथन में शुमार एयू जयपुर मेराथन 5 फरवरी को होगी जिसके 14 वे संस्करण के प्री इवेंट्स की शुरूआत नये साल के पहले दिन बेयरफुट रन के वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ हुई जिसमे ताजमहल से हवामहल तक अल्ट्रा रनर प्रदीप कुमार यादव ने 31 दिसम्बर को सुबह 12 बजे ताजमहल आगरा से नंगे पाँव रन के साथ शुरू की और नए साल की पहली सुबह को सुबह 9 बजे हवामहल जयपुर पर अपना रन न्यू इयर रेजोलेशन रन के साथ समाप्त किया। प्रदीप ने इस रन में 24 घंटे में 156 किमी के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 24 घंटे में 162 किमी रन पूरी की और इसके बाद कुल 32 घंटे 52 मिनिट बेयरफुट रन करते हुए कुल 241.4 किमी की रन पूरी करते हुए बेयरफुट रनिंग का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। हवामहल पर धावक प्रदीप यादव का जयपुर मेराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा, जयपुर रनर्स के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा, सचिव निपुन वाधवा, जोनल डायरेक्टर नरेन्द्र कुशवाह, रेखा विजय , गोविन्द चतुर्वेदी, डॉक्टर महेश अरोरा, संजीव बेनीवाल सहित बड़ी संख्या में लोगो ने स्वागत किया। जयपुर मेराथन के आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया की

2 जनवरी से जयपुर में 7 स्थानों पर फ्री ट्रेनिंग कैंप आयोजित होंगे इस ट्रेनिंग कैम्प में जयपुर रनरस क्लब के जोनल डायरेक्टर्स और ओरिक्स के ट्रेनर नए रनर्स को 5 फरवरी को होने वाली मैराथन के लिए तैयार करेंगे। ये कैम्प इन जगहों पर होंगे ।:-

विद्याधर नगर: सेक्टर 6 शिव पार्क
वैशाली नगर :- चित्रकूट स्टेडियम , महाराणा प्रताप मार्ग
सी-स्कीम :- सेंट्रल पार्क , पोलो ग्राउंड
मालवीय नगर :- जवाहर सर्किल
श्याम नगर - निर्माण नगर थाने के पीछे पार्क
मानसरोवर - सिटी पार्क
आमेर रोड - जलमहल की पाल

विद्यालयों को दिए कम्प्यूटर, अलमारियां व पुस्तकें

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सी-स्कीम व पोली मेडीक्योर लि. व मंडल की संरक्षिका मुकुलिका बैद की ओर से रावत पैलेस में आयोजित समारोह में 20 विद्यालयों को कम्प्यूटर, 22 विद्यालयों को अलमारिया व पुस्तकें पुस्तकालय के लिए उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा रहे। इस मौके पर शिक्षा विभाग के पदाधिकारी व दौसा जिला के गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अध्यक्षता दौसा जिला कलक्टर करत चौधरी ने की। मंडल ने राजकीय विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं के तहत प्राथमिकता से ई एजुकेशन को बढावा देने का कार्य उन्होने अपने हाथ में लिया हैं। कोरोना काल में भी 30 विद्यालयों को सेनेटाइजर व मशीन वितरित की गई, साथ ही प्रतिवर्ष जीरोता खुर्द राजकीय प्राथमिक विद्यालयों को गोद लेकर वहां बच्चों को गणवेश, पाठ्य सामग्री व अन्य उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। राजस्थान में भी करीब 65 स्कूलों को 40000 कॉपियों का वितरण किया। हाल ही में बैद ने जयपुर के विभिन्न सरकारी अस्पतालों को 180 स्टील बैंचे भेंट की ।

नेट थिएट पर नाटक अग्नि परीक्षा की आकर्षक प्रस्तुति

क्या नारी की अग्निपरीक्षा ही नारी की पीड़ा है

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट पर परंपरा नाट्य समिति द्वारा स्व.डॉ.हरिराम आचार्य द्वारा लिखित एवं तमाशा साधक रंगकर्मी दिलीप भट्ट द्वारा निर्देशित तमाशा शैली पर आधारित नाटक अग्नि परीक्षा के सशक्त मंचन ने दर्शकों को बांधे रखा। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि नारी उत्पीड़न के ज्वलंत प्रमाण को चरितार्थ करता यह नाटक कलाकारों के दृष्टिकोण पर खरा उतरा । जयपुर की तमाशा शैली 250 वर्ष पूर्व की शैली है । नाटक में नारी की पीड़ा को दशार्ते हुए कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से सीता की अग्नि परीक्षा, सती का आत्मदाह और पद्मिनी के जौहर को प्रस्तुत कर दर्शकों को बांधे रखा। नाटक में संगीत स्वर्गीय गोपी जी भट्ट का था । गायन व सूत्रधार दिलीप भट्ट तथा अन्य मुख्य पात्रों में मनीष कुमार, अमोह टेलर, सिद्धि महेश्वरी, सिकंदर अब्बास, सचिन भट्ट, शशांक सोनी, मोनिका परिहार, निधि सिंह, आंचल अग्रवाल, यश शर्मा, आंचल अग्रवाल ने अपने अभिनय से पात्रों को जीवंत कर दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी ।

वेद ज्ञान

जीवन की सार्थकता

जीवन की सार्थकता कर्तव्य का समुचित रूप से निर्वाह करने में है। जो कर्तव्य हमें मिला है, जो कार्य हमें करने के लिए दिया गया है, उसे ही सहज भाषा में कर्तव्य कहते हैं। कर्तव्य का सही और श्रेष्ठ रूप में निर्वाह करने में ही बुद्धिमत्ता है। वैसे तो जीवन सभी को मिलता है, परंतु जो व्यक्ति जीवन को महान कार्य में समर्पित कर देता है, उसी का जीवन सफल है। जन्म और मृत्यु तो प्राकृतिक नियम है। यह तो होना ही है, परंतु कर्तव्य का समुचित नियोजन धर्म है। कर्तव्य के इस रहस्य को जीवन के मर्मज्ञ बखूबी जानते-समझते हैं और वे इसके लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में पल भर भी देरी नहीं करते। शरीर और इसके भोग कर्तव्य मार्ग पर चलने वालों के लिए रोड़ा नहीं बनते। वे सर्वदा अपने कर्तव्य कर्म को वरीयता प्रदान करते हैं। कर्मक्षेत्र में केवल कर्म ही किए जाते हैं। यहां पर कर्म का ही मूल्य होता है और कर्म से ही जीवन की परिभाषा बनती है। सामान्य व्यक्ति इस रहस्य को नहीं जान पाने के कारण इतने बहुमूल्य जीवन को भोग के रूप में व्यर्थ ही गंवा बैठते हैं। वास्तव में कर्तव्य उससे निभता है, जिसके मन में साहस और हृदय में प्रीति है। साहसी ही साहस कर सकता है कि जो कार्य उसे दिया गया है, उसे वह कर सके। कर्तव्य को निभा पाना आसान नहीं है। वीर और पराक्रमी अपने जीवन की परवाह किए बगैर अपने लक्ष्य पर मिटते हैं। लक्ष्य के लिए वही मर मिट सकता है, जिसके भाव सघन होते हैं। ये दोनों बातें अर्थात साहस और शौर्य के साथ हृदय में झलकती भावना भी हो, तो वही कर्तव्य का समुचित निर्वहन होता है। एक की भी कमी हो जाए, तो समग्रता नहीं आ पाती है। जीवन सत्कर्मों के प्रभाव से विकसित और समुन्नत होता है और स्वार्थ-अहंकार के वशीभूत होकर पतन-पराभव के गर्भ में चला जाता है। जीवन उसका सफल है, जो औरों के काम आ सके, प्रेरणा का प्रकाश बन सके। ऐसे जीवन का छोटा-सा खंड (उम्र) भी शतायु पार करने वाले से उत्कृष्ट और महान होता है। वस्तुतः संसार में प्रत्येक मनुष्य का अपना स्वधर्म, कर्तव्य होता है और उस कर्तव्य को शानदार ढंग से निभाने के लिए भगवान कुछ अवसर भी देता है। जो इस अवसर का लाभ उठाकर अपने कार्य में तत्पर हो जाता है, उसी का जीवन सार्थक और प्रसन्न होता है।

संपादकीय

जनबल के प्रदर्शन का खेल...

राजनीति जनाधार और जनबल के प्रदर्शन का खेल है। जो जितना प्रदर्शन कर लेता है, वह उतना ही ताकतवर नेता माना जाता है। इसलिए राजनेताओं और राजनीतिक दलों में प्रायः ऐसे प्रदर्शनों की होड़ नजर आती है। मगर इन प्रदर्शनों में आम लोगों को जो दुश्वारियां झेलनी और कई बार जान गंवा कर कीमत चुकानी पड़ती है, उसकी फिक्र शायद नहीं की जाती। इसी बेपरवाही का ताजा नतीजा है आंध्र प्रदेश में नेल्लोर का हादसा। तेलुगू देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू ने सड़क पर प्रदर्शन निकाला था। उसी दौरान भगदड़ मची और उसमें दब कर सात लोगों की मौत हो गई। कई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई शुरू हो गई, जिससे भगदड़ मची और यह हादसा हो गया। मृतकों के परिजनों को एनटीआर ट्रस्ट की तरफ से दस-

दस लाख रुपए देने की घोषणा कर दी गई है। इससे उन परिवारों के आंसू कितने पोंछ पाएंगे, कह नहीं सकते। पर गंभीर सवाल यह है कि राजनीतिक दल अपनी शक्ति प्रदर्शन की होड़ से फुरसत निकाल कर कब इस बात पर विचार करेंगे कि उनकी रैलियों में शामिल लोग बलि का बकरा नहीं होते। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी होती है। यह पहली घटना नहीं है, जब सड़क पर किसी राजनीतिक प्रदर्शन के दौरान भगदड़ मची या अचानक हिंसा भड़क उठी और लोग मारे गए। पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में ऐसी सैकड़ों घटनाएं दर्ज हैं। वहां तो हिंसा और राजनीति जैसे एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता एक-दूसरे पर हिंसक हमले करते ही रहते हैं। केरल में भी खूनी संघर्ष की अनेक गाथाएं हैं। देश का शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं, आम लोगों को कीमत न चुकानी पड़ी हो। रैलियों में भाड़े के कार्यकर्ता जुटाने की परंपरा अब पुरानी हो चुकी है। उसमें लोग लाए तो बड़े जोश के साथ हैं, पर उनकी सुरक्षा और खाने-पीने आदि की फिक्र कम ही की जाती है। ये भाड़े के लोग आमतौर पर सामान्य जन होते हैं। उनका संबंधित दल से कोई वैचारिक लगाव भी नहीं होता। रैलियों में जब किसी वजह से भगदड़ मचती या हिंसक हमले शुरू होते हैं, तो उन्हें अपने बचाव का तरीका सूझ नहीं पाता और अक्सर वही बलि का बकरा बनते हैं। इसलिए भी शायद चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं को उनकी कोई फिक्र नहीं होती। विचित्र है कि चंद्रबाबू नायडू अपनी और अपनी पार्टी की अहमियत साबित करने सड़क पर प्रदर्शन करते निकले थे, मगर उनके कार्यकर्ताओं में ही अनुशासन नाम की चीज नजर नहीं आई। जब भी इस तरह भारी संख्या में भीड़ सड़कों पर निकलती है, तो किसी उपद्रव, हिंसा, भगदड़ आदि की आशंका रहती ही है। इसके मद्देनजर प्रशासन तो सतर्क रहता ही है, प्रदर्शन, रैली आदि आयोजित करने वाले संगठनों से भी अपेक्षा की जाती है कि उनके कार्यकर्ता अनुशासन का ध्यान रखें।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आतंकी मंसूबे

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों पर विराम लगाने के लिए सरकार हर उपाय करने को तत्पर है। वहां सुरक्षाबलों की चौकसी, सघन तलाशी और सरहद पर कड़ी नजर रखने का ही नतीजा है कि अब दहशतगर्दों का मनोबल काफी कमजोर हुआ है। मगर अब भी वे अपनी साजिशों को अंजाम देने की भरसक कोशिश करते देखे जा रहे हैं। कुछ-कुछ अंतराल पर कोई न कोई वारदात करके वे अपनी मौजूदगी का अहसास कराने की कोशिश करते हैं। उसी कड़ी में जम्मू से श्रीनगर की तरफ जा रहे चार आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मार गिराया। ये चारों एक ट्रक में छिप कर जा रहे थे। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद हुए हैं। हथियारों की प्रकृति को देखते हुए कहा जा रहा है कि उनमें कोई कमांडर स्तर का आतंकी रहा हो सकता है। यह निस्संदेह सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी है कि उन्होंने घाटी में किसी बड़ी साजिश को अंजाम से पहले ही रोक दिया। इसे महज संयोग नहीं माना जा सकता कि जिस दिन गृहमंत्री जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं की समीक्षा बैठक करने वाले थे, उसी दिन तड़के मुठभेड़ की यह घटना हुई। आतंकवादी ऐसे मौकों पर अपनी मौजूदगी जाहिर करने का मौका कभी नहीं चूकते। छिपी बात नहीं है कि कश्मीर में दहशतगर्दी को पोसने वाला पाकिस्तान है। भारत से लगी सीमा पर उसने आतंकी प्रशिक्षण शिविर खोल रखे हैं, जिसमें तैयार हुए आतंकियों को वह मौका देख कर भारतीय सीमा में प्रवेश कराने की कोशिश करता है। इसके अनेक प्रमाण उपलब्ध हैं, जो विश्व मंचों पर भी साझा किए जा चुके हैं। ताजा मुठभेड़ में मारे गए दहशतगर्द भी पाकिस्तान से भारत में घुसे थे। सड़क मार्ग के जरिए पाकिस्तान से तिजारत बंद है, इसलिए मालवाहकों में छिपा कर उधर से हथियार और दूसरे साजो-सामान भेजना मुश्किल हो गया है। इसके लिए अब सीमा से सटे क्षेत्रों में ड्रोन का सहारा लिया जाने लगा है। मगर पाकिस्तान की तरफ से की गई ऐसी अनेक कोशिशें नाकाम की जा चुकी हैं। फिर लगातार अत्याधुनिक संचार सुविधाओं से निगरानी रखी जाने की वजह से सीमा पार कर भारत में घुसना कठिन होता गया है। ऐसे में आतंकी कुछ ऐसे रास्ते चुनने लगे हैं, जिधर से चकमा देकर भारतीय सीमा में घुसा जा सकता है। चिंता की बात है कि तमाम उपायों और चौकसी के बावजूद उनके मंसूबों पर पानी फेरना मुश्किल बना हुआ है। घाटी में दहशतगर्दी की जड़ें खत्म नहीं हो पा रहीं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समीक्षा बैठक में एक बार फिर दहशतगर्दी को जड़ से उखाड़ फेंकने की वचनबद्धता दोहराई गई। मगर पिछले कुछ महीनों में लक्षित हिंसा और सुरक्षाबलों के काफिले को निशाना बना कर किए गए हमलों को देखते हुए दावा करना मुश्किल है कि कब तक इस समस्या पर काबू पाया जा सकेगा। दरअसल, पाकिस्तानी शह के अलावा चिंता की बात यह भी है कि खुद घाटी में आतंकवादी गतिविधियों को लेकर नकार की भावना नहीं पैदा हुई है। अब भी युवाओं को दहशतगर्दों के साथ जुड़ाव से रोकना कठिन बना हुआ है। इन गुमराह नौजवानों को किस तरह मुख्यधारा से जोड़ा जाए, इस दिशा में गंभीरता से विचार की जरूरत है। जब तक घाटी के लोगों का मन नहीं बदलेगा, दहशतगर्दों के मंसूबे जिंदा रहेंगे। आतंकवाद के साथ लड़ाई अक्सर नागरिकों के खिलाफ चली जाती है।

अलवर सांसद को सम्मेदशिखर जी को पवित्र क्षेत्र घोषित करने की मांग का सौपा ज्ञापन

जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन के नेतृत्व में दिया पांच सूत्रीय मांग पत्र

कामां. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद एवं जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन के नेतृत्व में जैन समाज कामा के युवाओं ने अलवर सांसद महंत बालक नाथ योगी को लाल दरवाजे कामां पर ज्ञापन सौंपकर सम्मेद शिखर को जैन धर्म का पवित्र अहिंसक धार्मिक क्षेत्र घोषित करने की मांग की तो सांसद ने उनको आश्वस्त किया कि यह मामला मेरे संज्ञान में है और मैं अपना समर्थन पत्र भी लिख चुका हूं और अति शीघ्र अपनी सरकार से बात कर सम्मेदशिखर को पवित्र स्थल घोषित कराने का हर सम्भव प्रयास करूंगा। सकल जैन समाज राजस्थान द्वारा सभी सांसदों को ज्ञापन देकर उनसे अपने समर्थन की अपील करने का एक अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। जिसका सर्वप्रथम आगाज कामा भरतपुर के लाल दरवाजे से उदयभान जैन के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर युवा परिषद के अध्यक्ष मयंक जैन लहसरिया, देवेंद्र जैन ऐ ई एन, रवि जैन, संजय जैन सर्राफ, भारत जैन ,अभिषेक जैन, दौलत जैन बड़जात्या ,अनुज जैन सहित अनेकों युवा उपस्थित रहे।

पौष बड़ा का हुआ आयोजन, भेरुजी की सजाई झांकी

टोंक. शाबाश इंडिया

सोनियो का दरवाजा पुरानी टोंक स्थित भेरुजी काला बाबा के रविवार को पौष बड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक राजेश अरिहंत ने बताया कि इस अवसर पर भेरू जी की फूलो से मनोरम झांकी सजाई गई श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन किए सायंकाल भेरू जी के पौष बड़े का भोग लगाया गया । कार्यक्रम में प्रदीप सोनी ,विजय सोनी, पारस सोनी, गुड्डू कासलीवाल, मनीष सोनी, सुनील,मोनू, राहुल, नवीन, रेखा, चीना, कामिनी,गरिमा बीना, नीलम, तृप्ति ,रीना सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे ।

नववर्ष का आगाज रामगंज मंडी से अतिशय क्षेत्र कैथुली तक ऐतिहासिक पदयात्रा कर किया

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

नववर्ष की बेला में श्री वीर जैन सोशल ग्रुप रामगंजमंडी ने एक ऐतिहासिक पदयात्रा रामगंजमंडी से कैथुली तक निकाली जो एक इतिहास बना गई। क्या बच्चे क्या युवा क्या बुजुर्ग क्या महिलाएं हर कोई उत्साह से लबरेज नजर आया। भीषण शीतलहर में भी किसी के उत्साह में कोई कमी नहीं रही। यह पदयात्रा शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ हुई और महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुंची जहा बघेरवाल समाज महामंत्री पदम सुरलाया ने सभी पदयात्रियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। हर कोई भक्ति की रंग में रंगता हुआ बस झुमता हुआ जा रहा था। आज की भौतिकता में लोग नववर्ष मनाने पिकनिक पार्टियां करने और होटलिंग करने या अन्य विलासिता के कार्यों में मनाते हैं। ऐसे कार्य करके युवा पीढ़ी हमारे संस्कारों से विमुख हो रही हैं। ऐसे में श्री वीर जैन सोशल ग्रुप रामगंजमंडी के कुशल मार्गदर्शन में रामगंज मंडी से अतिशय क्षेत्र कैथुली तक की 17 किलोमीटर की पदयात्रा की गई। सभी पदयात्री डीजे पर झूमते हुए पारसनाथ भगवान के जयकारों के साथ आचार्य श्री के जयकारों के साथ भक्ति करते हुए दिखाई दिए। श्री वीर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष सुनील सुरलाया की अगुवाई में समस्त पदयात्री मोजूद रहे। समूह की ओर से मार्ग में जाखेटिया टिया फार्म हाउस पर समस्त पद यात्रियों के अल्पाहार की व्यवस्था की गई। सभी पद यात्रियों ने पहुंचकर भगवान पार्श्व प्रभु के दर्शन किए। वह अभिषेक व भक्तिमय पूजन के क्रम में समूह द्वारा भजनों के माध्यम से आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की पूजन की जो भाव विभोर कर देने वाली थी। समूह की और से अतिशय क्षेत्र कैथुली में समस्त पद यात्रियों के भोजन की व्यवस्था भी की गई। यह पदयात्रा अपने आप में ऐतिहासिक इसलिए रही कि इसमें युवा शक्ति का जोश आस्था उमंग उल्लास अभूतपूर्व था। समस्त पद यात्री यही कहते नजर आए कि इससे बेहतर हमारा नववर्ष नहीं हो सकता। मौजूद सभी पद यात्रियों ने वीर जैन सोशल ग्रुप का आभार व्यक्त किया वह इस पुनीत कार्य की भावभीनी अनुमोदना की। व इस पद यात्रा के समापन पर समूह अध्यक्ष सुनील सुरलाया ने सभी का आभार व्यक्त किया। **अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

नवागढ़ में किया गया आचार्य परमेष्ठी महामंडल विधान व शांतिधारा

आर्यिका वैराग्यमती माताजी ससंघ के सान्निध्य में हुआ कार्यक्रम

विधान में झूमे श्रद्धालु और गुरुकुल के छात्र

ललितपुर. शाबाश इंडिया

महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित प्रागैतिहासिक दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में भगवान अरनाथ स्वामी के अतिशय चरणों में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की सुशिष्या परम पूज्या आर्यिका वैराग्यमती माताजी, प्रशममती माता जी,सहजमती माता जी,धवलमती माता जी के सान्निध्य में ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत जी के निर्देशन में नव वर्ष की प्रातः कालीन बेला में आचार्य परमेष्ठी महामंडल विधान एवं शांतिधारा का आयोजन विधि विधान के साथ श्रद्धा भक्ति के साथ किया गया । जिसमें क्षेत्रीय समाज के साथ गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रातः बेला में मंगलाष्टक के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद मूलनायक अरनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा श्रद्धालुओं ने अगाध श्रद्धा पूर्वक की। शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रदीप जैन, राकेश जैन परिवार मड़देवरा, आकाश गोदरे सागर, पवन जैन, प्रमोद जैन दिल्ली आदि ने प्राप्त किया। पूजन द्रव्य प्रदान करने का पुण्यार्जन पवनकुमार, श्रीमती प्रमोद जैन करोलबाग दिल्ली परिवार ने प्राप्त किया। आचार्य परमेष्ठी विधान करने जहाँ श्रद्धालु भक्ति में थिरक उठे वहीं नवागढ़ गुरुकुलम के छात्रों खूब भक्ति भाव के साथ धोती-दुपट्टा पहनकर विधान में अपनी सहभागिता निभाई। क्षेत्र के निर्देशक ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत जी के निर्देशन में विधि विधान के साथ पुष्पेंद्र जैन एन्ड पार्टी ककरवाहा की संगीतमयी स्वर लहरियों के साथ विधान संपन्न हुआ। मंचासीन माता जी को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य नरेन्द्र जैन कोषाध्यक्ष, डॉ भरत गुढ़ा, एडवोकेट वैभव जैन परिवार ललितपुर को प्राप्त हुआ। मंगल कलश स्थापना सौभाग्यवती महिलाओं ने किया तथा अष्ट मंगल प्रातिहार्य की स्थापना गुरुकुलम नवागढ़ के बच्चों ने की।

क्षेत्र के अध्यक्ष सनत कुमार जैन एडवोकेट, संयोजक वीरचंद जैन नेकौरा , कपूरचंद जैन डुंडा, नरेन्द्र जैन कोषाध्यक्ष, राकेश जैन ककरवाहा, मुकेश शास्त्री,प्रचार मंत्री डॉ सुनील संचय, मनीष संजू , डॉ अजय जैन , डॉ राजीव जैन के. के. हॉस्पिटल ललितपुर, डॉ शोभा जैन, सीमा जैन,वैभव जैन एडवोकेट, विमल जैन, आनंद, अमित जैन अमित गारमेंट्स ललितपुर, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रैवासा में भगवान सुमतिनाथ का हुआ महामस्तकाभिषेक

भक्ति भाव से हुआ सुमतिनाथ महामण्डल विधान

रैवासा. शाबाश इंडिया

जयपुर जिले के निकटवर्ती ग्राम रैवासा (सीकर) में स्थित श्री दिगंबर जैन भव्योदय अतिशय क्षेत्र में हर वर्ष की भांति इस नववर्ष के आगमन पर रविवार को अतिशयकारी भगवान सुमतिनाथ के महामस्तकाभिषेक का आयोजन संपन्न हुआ । कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान

सुमतिनाथ की अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक हुए , जिसके पश्चात विश्व शांति के लिए एवं जैन समाज के सर्वोच्च पावन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की रक्षा हेतु वृहद शांतिधारा हुई । कार्यक्रम संयोजक जय कुमार बड़जात्या सीकर व पुल्किट छाबड़ा रैवासा ने बताया कि शांतिधारा का सौभाग्य मनोज बज परिवार सीकर , नानगराम इंद्रचंद अनुभव सेठी परिवार सीकर, जीवन लाल सुशील कुमार बड़जात्या परिवार सीकर , चिरंजी लाल मोनु गोधा परिवार फतेहपुर ,पवन कुमार अंकित कुमार काला परिवार दांता को प्राप्त हुआ। शांतिधारा के पश्चात संगीतमय ''श्री सुमतिनाथ महामंडल विधान'' का आयोजन हुआ। संयोजक संजय बड़जात्या सीकर , पंकज छाबड़ा सूरत व अमित ठोल्या रेनवाल ने बताया कि विधान का पुण्यार्जन जैन सोश्यल ग्रुप सीकर को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात दिनभर विभिन्न धार्मिक आयोजन किए हुए । प्रवक्ता व संयोजक विवेक पाटोदी ने बताया कि संपूर्ण मांगलिक क्रियाएं विधानाचार्य पंडित आशीष जैन शास्त्री द्वारा करवाई गई। संगीतकार मनोज जैन एंड पार्टी जयपुर थे। धार्मिक प्रसारण का पुण्यार्जन गजेन्द्र कुमार प्रवीण कुमार विकास कुमार बड़जात्या जयपुर को प्राप्त हुआ। संयोजक जय कुमार बड़जात्या जयपुर व विकास लुहाड़िया सीकर ने बताया कि इस अवसर पर सीकर , फतेहपुर , राणोली, जयपुर , सूरत, बैंगलोर सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की तादाद में जैन धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

सौराष्ट्र रीजन द्वारा द्वितीय रीजनल इंडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का सफल आयोजन

सौराष्ट्र रीजन के कुल 132 खिलाड़ियों ने कुल 185 प्राथमिक मुकाबलों में भाग लिया

राजकोट. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप राजकोट रॉयल के सफल आयोजन मे सौराष्ट्र रीजन द्वारा द्वितीय रीजनल इंडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन राजकोट के सरदार वल्लभ भाई पटेल इंडोर स्टेडियम में किया गया। इस टूर्नामेंट में फेडरेशन के नियमानुसार विभिन्न 33 से भी अधिक कैटेगरी में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, चेस व कैरम की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस बृहद इंडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में सौराष्ट्र रीजन के सातों जोन, 21 JSG ग्रुपों के 132 से भी ज्यादा खिलाड़ियों द्वारा कुल 185 से भी अधिक प्राथमिक खेल मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन किया गया। टूर्नामेंट का भव्य प्रारंभ स्थल पर उपस्थित समस्त खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक परेड से किया गया नेपथ्य में JSG थीम सॉन्ग की ध्वनि गूंज रही थी। तत्पश्चात नवकार महामंत्र के पठन व राष्ट्रीय गीत के गान के साथ टूर्नामेंट की भव्य शरुआत हुई। दीप प्रज्वलन पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष हरेश वोरा, रीजनल चेयरमैन डा. चेतन वोरा, फेडरेशन उपाध्यक्ष मनीष दोषी, अंतरराष्ट्रीय निर्देशक निलेश कामदार, रीजनल सचिव निलेश कोठरी, अनीश वाधर,वैभव संघवी, हिमांशु कोठरी व जिग्नेश मेहता द्वारा किया गया। टूर्नामेंट समापन के समय अंतरराष्ट्रीय निर्देशक जयेश शाह की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। इंडोर स्टेडियम के चेयरमैन जयेश वसा द्वारा टूर्नामेंट के लिये राष्ट्रीय स्तर के अंपायर व रेफरी का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र व स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया व विजेता खिलाड़ियों को विजेता व उपविजेता ट्रॉफी प्रदान की गई । लगभग 4 साल के अंतराल के बाद आयोजित इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बनता था। इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में पिनाकिन शाह, मेहुल शाह, नीलेश भालानी, कल्पेश मेहता सहित अनेक सदस्यों का योगदान था।

जनकपुरी जैन मंदिर में युवाओं ने नव वर्ष पूजन व सुसंस्कार के साथ मनाया

युवाओं ने पाँच पाण्डु शिलाओं पर की शांतिधारा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनक पुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में नव वर्ष का शुभारम्भ भगवान के दर्शन अभिषेक शान्तिधारा व भक्ति भाव से पारिवारिक पूजन व युवाओं में सुसंस्कार के साथ मनाया ।प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की प्रातः नित्य अभिषेक व शांति धारा के बाद उपस्थित बालकों व युवाओ द्वारा पाँच पाण्डु शिलाओ पर अभिषेक व शांति धारा विधि विधान व बीजाक्षरों का क्रिया अर्थ समझते हुए प. शिखर चंद जैन के सानिध्य में की गई । मूल वेदी से पाँच जिन बिम्ब युवाओं द्वारा यंत्र सहित सिर पर रख कर झालर की टंकार व करतल ध्वनि के साथ पाण्डु शिलाओ पर विराजमान हेतु ले जाने का दृश्य मन मोहक लग रहा था । सभी द्वारा विनय पाठ आदि के बाद भक्ति भाव के साथ नव देवता व मूल नायक भगवान श्री 1008 नेमि नाथ की पारिवारिक पूजन अष्ट द्रव्य से भावार्थ व शंका निवारण करते हुए की गई । पूजा में सहयोगी किरण जैन के साथ बालक बालिकाओं ने तीर्थंकर नेमिनाथ पुस्तक से पूजा बोलते हुए अर्घ चढ़ाए। जनक पुरी में नियमित चल रही पाठशाला के विद्यार्थियों सहित युवा मंच के सदस्यों ने आनन्दित भाव से भक्ति के साथ पूजन में भाग लिया तथा आज युवा मंच को पाठशाला का संरक्षक भी बनाया गया। नव वर्ष की शाम को आरती के बाद मन्दिर में भक्तामर दीप अर्चना की गयी ।

मेरे रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) 165 है, इसको कैसे कम किया जा सकता है?

कभी नहीं बढ़ेगा ब्लड प्रेशर, तुरंत करें अमृत जैसे ये उपाय..!

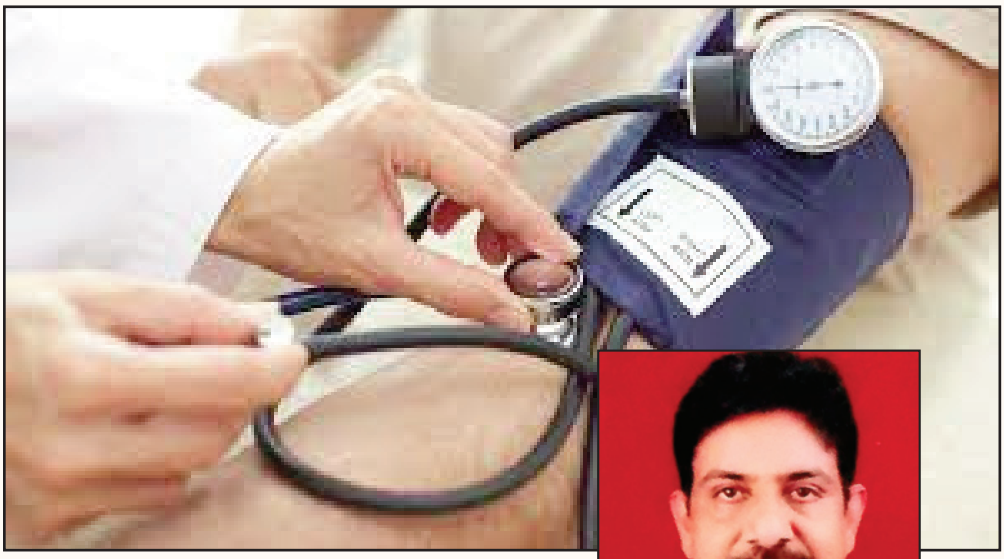

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

एक स्वस्थ और संतुलित आहार उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने में बहुत मदद करता है। जिन लोगों का बीपी लंबे समय से बढ़ा हुआ है और उनके पास रोजाना दवा लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, उन्हें अपने आहार में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। उच्च रक्तचाप एक ऐसी स्थिति है जहां धमनी की दीवारों पर रक्तचाप सामान्य से अधिक होता है। भारत में हर साल लाखों मामले सामने आते हैं। जब रक्तचाप 140/90 से ऊपर होता है, तो इसे उच्च रक्तचाप माना जाता है और जब यह 180/90 से ऊपर होता है, तो इसे गंभीर माना जाता है। उच्च रक्तचाप का आमतौर पर कोई लक्षण नहीं होता है, लेकिन यह हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी जानलेवा स्थितियों को बढ़ा सकता है। आहार विशेषज्ञों का सुझाव है कि जीवनशैली और आहार में बदलाव से उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर, पीएसआरआई मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की प्रमुख पोषण विशेषज्ञ देबजानी बनर्जी ने कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची बनाई है जिनका सेवन उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए किया जा सकता है।

१. खट्टे फल- हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित लोगों को खट्टे फल खाने चाहिए। अंगूर के साथ-साथ संतरा, नींबू, खट्टे फल रक्तचाप को कम करने की क्षमता रखते हैं। चूंकि ये सभी फल विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं, ये उच्च रक्तचाप जैसे हृदय रोग के जोखिम कारकों को कम करके हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। बीपी कंट्रोल करने के लिए इन फलों को साबुत खाएं, सलाद में शामिल करें या इनका जूस पिएं।

२. ब्रॉकली- ब्रोकली फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो शरीर में रक्त वाहिका के कार्य और नाइट्रिक ऑक्साइड के स्तर को बढ़ाकर रक्तचाप को कम करने का काम करती है।

३. कद्दू के बीज- यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कद्दू के बीज पोषक तत्वों का पावरहाउस हैं। जिन लोगों को अक्सर हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है उन्हें कद्दू के बीज का सेवन जरूर करना चाहिए। यह ब्लड प्रेशर को कम करने में काफी मदद करेगा।

४. गाजर- गाजर में क्लोरोजेनिक, पी कोमॅरिक ओर कॅफीक जैसे फेनोलिक की मात्रा अधिक होती है। जो रक्त वाहिकाओं को आराम देता है और सूजन को कम करता है, जिससे रक्तचाप के स्तर को कम करने में मदद मिलती है।

५. पिस्ता- पिस्ता एक ऐसा ड्राई फ्रूट है, जो हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए वरदान है। यह आपके दिल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों को किसी भी रूप में पिस्ता को अपने आहार में शामिल करना चाहिए।

दैनिक जीवन में खान-पान की आदतों में बदलाव कर, मोटापा घटाकर और जीवनशैली में बदलाव कर उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। धूम्रपान, शराब पीना और तंबाकू का सेवन कम करना, दैनिक तनाव कम करना और नियमित व्यायाम करना बहुत फायदेमंद होता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

राष्ट्रीय सन्त वर्धमान सागर एवं चिन्मय सागर का केशलोचन हुआ

दिगम्बर साधु वही बन सकता है जो निर्ममत्व भाव को जगाता है: आचार्य वर्धमान सागर

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में रविवार को सन्त निवास नसियां जैन मंदिर में राष्ट्रीय सन्त आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं जैन मुनि चिन्मय सागर महाराज का केशलोचन समारोह आयोजित किया गया जिसमें राष्ट्र गौरव सहित दो जैन सन्तो द्वारा केशलोचन किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व पवन बोहरा ने बताया कि रविवार को सन्त निवास पर जैन समाज के श्रद्धालुओं के बीच जैन संतो ने अपने हाथों से सिर के एवं दाडी मुच्छे के बालों को उखाड़ कर फेंक दिये जो एक संयम एवं वैराग्य का प्रतीक है। केशलोचन समारोह में सुबह श्रद्धालुओं ने णमोकार महामंत्र पूजा अर्चना एवं महावीर चालीसा का पठन पाठन किया गया। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि दिगम्बर साधु वही बन सकता है जो निर्ममत्व भाव को जगाता है। जो अंतरंग और बहिरंग दोनों प्रकार के परिग्रह से रहित होता है वह ही नगनत्व को धारण करने में समर्थ होता है।उन्होंने कहा कि ज्ञान ध्यान की साधना में रत रहते हुए अपने अठ्ठाइस मूलगुणों का पालन करते हैं जिसमें से केशलोचन भी एक है केशलोचन का तात्पर्य है अपने हाथों से अपने सिर दाढ़ी व मुंछ के बालों को उखाड़ कर फेंक देना वैराग्य व शरीर के प्रति निर्ममता का अनूठा उदाहरण है।

सांगानेर वाले बड़े बाबा का नववर्ष पर हुआ महामस्तिकाभिषेक

जगत कल्याण के लिए हुई महाशान्ति धारा। पानी अपनी मेहनत से पेड़ को बिना स्वार्थ के बड़ा करता है : आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

नये वर्ष के प्रथम दिन सांगानेर वाले बड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का महाभिषेक के साथ जगत कल्याण की महा शान्ति धारा की गई इसके साथ ही भगवान श्री आदिनाथ स्वामी का भक्तों द्वारा महा मस्तिकाभिषेक किया गया। समारोह का संचालन करते हुए प्राचार्य डॉ किरण प्रकाश जी ने कहा कि आज एक तारीख है वर्ष का पहला दिन और रविवार सभी शुभ घड़ियां है । आप सब सौभाग्य प्राप्त कर महा मस्तिकाभिषेक कर सकते हैं जो भी पात्र बनेगा वह पहला अवसर पायेगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने जिज्ञासा समाधान में आव्हान किया था जव आप अंग्रेजी वर्ष को मनाही रहें हैं तो इसे धर्म ध्यान से जोड़ देते हैं भगवान की महा आराधना करके अपने जीवन में सगुन करें इस वर्ष को मांगलिक बनने के लिए प्रभु चरणों में आपने को समर्पित कर अपने जीवन का मंगल करें सांगानेर कमेटी ने सभी अनूकूलता बनाई है इनका लाभ लेना है। इस दौरान आचार्य श्री सुनील सागर जी के श्री मुख से शान्ति धारा कराई गई जिसका सौभाग्य सतीश गोधा समाचार जगत, विनय - आभा जैन अहमदाबाद, विनोद छाबड़ा , राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद, सुशील - सुशीला मोदी मोदी नगर सहित अन्य भक्तों को मिला । इसके बाद भक्तों ने कतार में लगकर महोत्सव का लाभ लिया । मध्यान में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में विशाल धर्मसभा का आयोजन किया गया धर्म सभा के प्रारंभ में आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा, अशोक नगर कांग्रेस सेवा दल के पूर्व राष्ट्रीय प्रमुख महावीर प्रसाद जैन, मनोज शाह प्रतापगढ़, कमेटी के अध्यक्ष प्रेम जी बज, मंत्री सुरेश कासलीवाल, नरेंद्र बज महावीर जैन के सहयोग से किया। इसके बाद आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज की पूजन की गई।

संसार में सब ओर स्वार्थी लोग भरे पड़े हैं

आर्यिका श्री सुदृढ़ मति माताजी ने कहा कि संसार में सब ओर स्वार्थी लोगों भरें पड़े स्वार्थ से ऊपर उठकर धर्म ध्यान करें नव वर्ष में भगवान के चरणों में आकर जो भक्ति कर रहे हैं वे जीव पुण्य साली है आधुनिकता के साथ धर्म के द्वार खोला है । आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज ने कहा कि जीवन को परिवर्तित करने का दिन है तुम अपने चेहरे को धोकर रूमाल को धोकर चमकाते चलें जाति हो इनकी जगह अपने परिणामों को चमकालो तो कुछ लाभ होगा । ये पल खोने को नहीं है धोने को है। आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा कि अनादीकाल से इस जीव ने बहुत कुछ भोगा है और फिर छोड़ा है सिर्फ कलेंडर बदलने से कुछ नहीं होगा खुद को बदले का काम होना चाहिए पूरे दिन में एक बार पांच मिनट ही सही अपने लिए दे तो देखेंगे कुछ उपलब्धी होगी जीवन आज क्लेश से भरा है क हटा भी दो तो लेश बचेगी बहुत गन्दी चीज है उसके पीछे आप पड़े हैं दृष्टि को बदलना होगी दृष्टि बदलने से जीवन बदल जायेगा जब तक द्रव्य लिंग नहीं होगा तब तक भाव लिंग नहीं हो सकता पहले द्रव्य लिंग होगा तब भाव लिंग बनेगा । मानदमंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि आज देवाधिदेव आदिनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी सतीश - नीलिमा, नमन,लवी गोधा समाचार जगत परिवार को प्राप्त हुआ। धर्मसभा में आदिनाथ भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलन, आचार्य संघ को शास्त्र भेंट ,पादप्रक्षालन का समाजश्रेष्ठी राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद वाले परिवार को प्राप्त हुआ। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जयपुर अध्यक्ष संजय जी जैन भी मौजूद रहे इस मौके पर मन्दिर कमेटी के प्रेमचन्द बज, सुरेश कासलीवाल, राकेश रांवका, संजय छाबडा, ज्ञानचन्द सौगाणी नरेन्द्र बज एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी श्रेष्ठियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। मंच संचालन इन्दिरा बड़जात्या ने किया।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सांगानेर में हुआ श्री भक्तामर विधान

सांगानेर. शाबाश इंडिया

विश्व विख्यात धर्म प्रवर्तक महान तीर्थ श्री सांगानेर वाले बड़े बाबा श्री 1008 आदिनाथ भगवान के दिव्य दरवार में श्री भक्तामर मंडल विधान का भव्य आयोजन संगीत के साथ बड़े बाबा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ । दीप प्रज्वलन श्रावक श्रेष्ठी श्री सुशील जी मोदी मोदी नगर, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, मनीष रेवाड़ी, कमेटी के अध्यक्ष प्रेम बज,महामंत्री सुरेश कासलीवाल द्वारा किया गया। इसके बाद सभा का संचालन करते हुए प्राचार्य डॉ किरण प्रकाश ने कहा कि वैसे तो हमारे यहां नव वर्ष को दीपावली पर मनाया जाता है लेकिन जब लोक व्यवहार में चल पड़ा तो परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने इसे भी भगवान के चरणों में समर्पित कर मनाने की प्रेरणा दी । आइये हम सब सांगानेर वाले बड़े बाबा के चरणों की ओर चलते हैं।इसके बाद नरेन्द्र जैन के मधुर संगीत के साथ भगवान की महा आराधना रुप श्री भक्तामर मंडल विधान 48दिपो के साथ प्रारंभ हुआ । एक एक कड़े के साथ दीप प्रज्वलन फिर दीप समर्पण के बाद प्रभु की महाआरती की गई ।इस दौरान राजीव - सीमा गाजियाबाद, श्रीमती सुशीला मोदी, देवेन्द्र धुर्री, पवन जैन दिल्ली से पधारे सांगानेर भक्त मंडल की विशेष रूप से उपस्थित थे ।